अपूर्वा

Apūrvā

Research Journal Faculty of Arts

Vol. 20 (2014-15)

Patron

Prof. Girish Chandra Tripathi
Vice-Chancellor

Chief Editor

Kumar Pankaj
Professor & Dean

FACULTY OF ARTS
BANARAS HINDU UNIVERSITY
V A R A N A S I

Published by :
The Dean,
Faculty of Arts,
Banaras Hindu University
Varanasi-221005

ISSN: 0975-5780

Address for Correspondence :

Prof. Kumar Pankaj
Chief Editor *'Apūrvā' &*
Dean, Faculty of Arts,
Banaras Hindu University, Varanasi-221005
e-mail :kalasankaya@gmail.com

Prof. Kumar Pankaj, Chief Editor
Prof. Umesh Chand Dubey, Associate Editor

Editorial Board:
Dr. Sadashiv Kumar Dwivedi (Sanskrit)
Dr. Krishna Mohan (Hindi)
Dr. P. K. Mishra (History of Arts)

Subscription Rate:

	India (Rs.)	Abroad (US$)
Individual/Member	150	10
Institutional	300	25

DISCLAIMER : The Editorial Board does not necessarily subscribe to opinions and facts expressed in the articles for which the responsibility solely rests with the individual authors.

Printed at :
Kishor Vidya Niketan
B-2/236-A, Bhadaini, Varanasi-221001
e-mail: kishorwin@yahoo.com, Cell: 9415996512

महामना पं0 मदनमोहन मालवीय

(पौष कृष्ण अष्टमी सं. 1918- मार्गशीर्ष कृष्ण पञ्चमी सं. 2003)
25 दिसम्बर, 1861- 12 नवम्बर, 1946

प्रो0 गिरीश चन्द्र त्रिपाठी
कुलपति
Prof. Girish Chandra Tripathi
Vice-Chancellor

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
वाराणसी- 221 005 (भारत)
Banaras Hindu University
(Established by Parliament by Notification No. 225 of 1916)
Varanasi- 221 005 (INDIA)

मार्च 12, 2016

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है कि काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के कला संकाय द्वारा उसकी वार्षिक शोध पत्रिका 'अपूर्वा' के 20वें अंक का प्रकाशन किया जा रहा है।

यह सर्वविदित है कि इस विश्वविद्यालय के कला संकाय में आरंभ से ही साहित्यकारों, संस्कृतिवेत्ताओं, दार्शनिकों, कलाविदों और पुरातत्व के क्षेत्र में अपनी यशःपताका फहराने वाले मनीषियों की एक लंबी पंक्ति रही है, जिनका स्मरण कला संकाय की वर्तमान पीढ़ी को अपूर्व आत्मबल प्रदान करता है। हिंदी, संस्कृत एवं अंग्रेजी तीनों भाषाओं में लिखे गये 'अपूर्वा' के 20वें अंक के आलेख सोच-विचार के नये गवाक्ष खोलेंगे, ऐसा मेरा दृढ़ विश्वास है। पत्रिका के प्रकाशन से जुड़े सभी लोगों को मेरी हार्दिक शुभकामनायें।

(गिरीश चन्द्र त्रिपाठी)

Phones : (0542) 2368938 (O), 2368339 (R),
Fax : (0542) 2369100 (O), 2369951 (R), e-mail: vc_bhu@sify.com

भूमिका

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के कला संकाय की वार्षिक शोध पत्रिका 'अपूर्वा' के 20वें अंक के प्रकाश के अवसर पर मुझे अत्यन्त हर्ष का अनुभव हो रहा है। इस अंक में प्रकाशित लेख गम्भीर चिन्तन से समन्वित हैं। कुल मिलाकर 'अपूर्वा' का यह अंक अपने स्वरूप और संरचना में पूरी विविधता लिये हुए है एवं नये चिंतन-मनन के लिये पूर्ण अवकाश देता है।

इस अंक के संरक्षक प्रो0 गिरीश चन्द्र त्रिपाठी जी, कुलपति, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के प्रति मैं अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने अपने शुभ संदेश से इसे गौरवान्वित किया है। इस अंक में प्रकाशित होने वाले समस्त आलेखों/शोधपत्रों के विद्वान लेखकों को उनके सक्रिय सहयोग के लिए मैं साधुवाद देता हूँ।

'अपूर्वा' को इस रूप में लाने के लिए मैं सम्पादन से जुड़े अपने सभी सहयोगियों प्रो0 उमेश चन्द्र दूबे, प्रो0 सदाशिवकुमार द्विवेदी, डॉ0 कृष्णमोहन एवं डा0 पी0 के0 मिश्रा को धन्यवाद देता हूँ। संकाय के सहायक कुलसचिव श्री आर0 बी0 राम तथा निजी सचिव श्री चन्दन बरई एवं कार्यालय के कर्मचारियों में श्री योगेन्द्र सिंह, श्री संजीव श्रीवास्तव और श्री भूपेन्द्र कृष्ण यादव का भी मैं आभारी हूँ, जिन्होंने इस पत्रिका के प्रकाशन से सम्बन्धित सभी कार्यों को बड़े मनोयोग से सम्पन्न किया।

मैं आशा करता हूँ कि 'अपूर्वा' के प्रस्तुत अंक की वैविध्यपूर्ण सामग्री अध्येताओं के लिये प्रेरणाप्रद एवं दिशा-निर्देशक सिद्ध होगी।

कुमार पंकज
प्रधान संपादक- 'अपूर्वा'

CONTENTS

1. **काव्यशास्त्र में मेरी उपलब्धियाँ**
   रेवा प्रसाद द्विवेदी 1
2. **Importance of Stress in English Pronunciation**
   R. S. Sharma 19
3. **Religion, Reality and Truth**
   R. S. Mishra 21
4. **चित्तभूमि की खेती, बालियाँ और इक्कीसवी सदी**
   अवधेश नारायण मिश्र 32
5. **हेंमचन्द्राचार्यस्य साहित्यसिद्धांता**
   सदाशिव कुमार द्विवेदी 47
6. **Influence of Persian Style of Art on Mughal Paintings**
   Nirmala Gupta 59
7. **प्राचीन भारत में भूमि मापन प्रणाली**
   रंजीत प्रताप सिंह 75
8. **प्रारम्भिक बौद्ध साहित्य में तिपु : पुरातात्त्विक साक्ष्यों के सम्बन्ध में**
   प्रभाकर उपाध्याय 84
9. **Walter Benjamin as a literary Critics: Visiting the Interpolation between the Ideology and the Narrative Spaces**
   Abhay Kumar Mishra 88
10. **The Historicity of Ancient Varanasi: A Study**
    Ashok Kumar Singh 107
11. **The City as a Trope : A Brief Studyof Hindi and German Cinematic Texts in the Second half of the 20th Century**
    Shipra Tholia 115
12. **मेरा बचपन : आत्मकथा या कथा**
    अबू शमी 124

13. **काशी की लोक संस्कृति में चित्र परम्परा**
आभा मिश्रा पाठक 132
14. **प्रसाद के कथा साहित्य पर पुनर्विचार**
राजीव कुमार झा 136
15. **बिहार से प्राप्त भारत कला भवन संग्रह की उत्कृष्ट कलाकृतियाँ - एक विश्लेषणात्मक अध्ययन**
अनिल कुमार सिंह 140
16. **Business Communication course in Indian Business School**
Kumar Parag 148
17. **पद्मावत के आख्यान में कल्पना**
सुकृति मिश्रा 152
18. **हिन्दी भाषा का विकास : मदन मोहन मालवीय**
रंजना पाण्डेय 161
19. **हिन्दी नवजागरण और समालोचक पत्रिका**
प्रीति कुमारी 167
20. **स्त्री सशक्तता की मूल्य चेतना - झूला नट**
प्रेमलता 173
21. **वैश्विक परिदृश्य में प्रवासी हिन्दी साहित्य**
सुमन विश्वकर्मा 178
22. **गुप्तकाल में पशुपालन**
त्रिलोकी नाथ 181
23. **रामनगर की रामलीला**
अर्पित पाण्डेय 189
24. **गुप्तकालीन व्यापार - वाणिज्य का स्वरूप और उसके विविध घटक (स्मृति साहित्य के विशेष परिप्रेक्ष्य में)**
अरविन्द कुमार 195
25. **न्यायदर्शन के अनुसार त्रिविध अनुमान**
अंकिता मिश्रा 207

Book-Review
Language Media and Society;
Essence of Advertising Communication:
Gajendra Singh Chauhan 214